चतुर्थ प्रश्न पत्र
भू - लृङ् लकार
उत्तम पुरुष

सं० प्रि० - साजन कुमार
एस० बी० एस० एस०
कॉलेज बेगूसराय

	एकव०	द्विव०	बहुव०
उत्तम पुरुष	अभविष्यम्	अभविष्याव	अभविष्याम

क) अभविष्यम् (उत्तम पुरुष एकवचन)

:) लृङ् से लृङ् लकार लगाने पर - भू + लृङ्
:) लुङ् लङ् लृङ्क्ष्वडुदात्तः से भू को 'अट्' का आगम - अभू + लृङ्
:) लृङ् के अनुबंधों को हटाने पर - अभू + ल्
:) कर्त्ता के उ० पु० एकवचन की विवक्षा में - अभू + मिप्
:) स्यतासी लृलुटोः से स्य विकरण - अभू + स्य + मिप्
:) आर्धधातुकस्येड् वलादेः से 'इट्' का आगम - अभू + इस्य + मिप्
:) सार्वधातुकार्धधातुकयोः से इगन्त भू को गुणादेश - अभो + इस्य + मिप्
:) एचोऽयवायावः से 'ओ' को अव् - अभव् + इस्य + मिप्
: मिo आदेश प्रत्ययोः से 'स' को 'ष' - अभव् + इष्य + मिप्
: मिलाने पर - अभविष्य + मिप्
:) तस्थस्थमिपां तांतंतामः से 'मिप्' को अम् - अभविष्य + अम्
: 'अतो गुणे' से पररूप सन्धि करने पर रूप निष्पन्न - अभविष्यम्

Scanned with CamScanner

8) अभविष्याव (उत्तम पुरुष द्विवचन)

- :) 'लृट्' से लृट् लकार लगाने पर - भू + लृट्
- :) लुङ् लङ् लङ्क्ष्वड्डुदात्तः' से भू को अट् का आगम - अभू + लृट्
- :) लृट् के अनुबंधों को हटाने पर - अभू + ल्
- :) कर्त्ता के उ० पु० द्विवचन की विवक्षा में - अभू + वस्
- :) स्यतासी लृलुटोः' से स्य विकरण - अभू + स्य + वस्
- :) आर्द्धधातुकस्येड्वलादेः से 'इट्' का आगम - अभू + इस्य + वस्
- :) सार्वधातुकार्धधातुकयोः से इगन्त 'भू' को गुण - अभो + इस्य + वस्
- :) एचोऽयवायावः से 'ओ' को अव् - अभव् + इस्य + वस्
- :) आदेश प्रत्ययोः से 'स' को ष् - अभव् + इष्य + वस्
- :) मिलाने पर - अभविष्य + वस्
- :) ससजुषोरुः' से 'वस्' के 'स्' का लोप - अभविष्य + व
- :) अतो दीर्घो यञि' से अदन्त को दीर्घ - अभविष्या + व
- :) मिलाने पर रूप सिद्ध - अभविष्याव

9) अभविष्याम (उत्तम पुरुष बहुवचन)

- :) 'लृट्' से लृट् लकार लगाने पर - भू + लृट्
- :) लुङ् लङ् लङ्क्ष्वड्डुदात्तः' से 'भू' को अट् का आगम - अभू + लृट्

:) लृट् के अनुबंधों को हटाने पर - अभू + लृ
:) कर्त्री के उ० पु० बहुवचन की विवक्षा मे - अभू + मस्
:) स्यतासी लृलुटोः से स्य विकरण - अभू + स्य + मस्
:) आर्धधातुकस्येड्वलादेः से 'इट्' का आगम - अभू + इस्य + मस्
:) सार्वधातुकार्धधातुकयोः से इगन्त भू को गुण - अभो + इस्य + मस्
:) एचोऽयवायावः से 'ओ' को अव् - अभव् + इस्य + मस्
:) आदेश प्रत्यययोः से 'स्' को 'ष्' - अभव् + इष्य + मस्
: मिलाने पर - अभविष्य + मस्
:) नित्यं ङितः से 'मस्' के 'स्' का लोप - अभविष्य + म
:) अतो दीर्घो यञि से अदन्त को दीर्घ - अभविष्या + व
:) मिलाने पर रूप सिद्ध - अभविष्याम